**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**

भारत मौसम विज्ञान विभाग

उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.

नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 16-05-2025**

**सोलान(हिमाचल प्रदेश ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-16 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2025-05-17 | 2025-05-18 | 2025-05-19 | 2025-05-20 | 2025-05-21 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 1.0 | 0.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 34.0 | 34.0 | 30.0 | 30.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 16.0 | 18.0 | 18.0 | 17.0 | 17.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 60 | 58 | 57 | 64 | 57 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 38 | 37 | 44 | 37 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 10 | 9 | 9 | 7 | 9 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 76 | 77 | 81 | 81 | 360 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 5 | 1 | 1 | 7 | 1 |
| चेतावनी | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; ओलावृष्टि; तेज़ सतही हवाएँ | कोई चेतावनी नहीं |

## पूर्वानुमान सारांश:

अगले पांच दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहेगा। 16 और 19 मई, 2025 को जिले में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0-34.0 डिग्री सेल्सियस और 16.0-18.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 6.9-10.4 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 37-64 प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव करेगी।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

सोलन जिले के कुछ स्थानों पर 19 मई को गरज चमक के साथ बिजली गिरने, ओलावृष्टि तथा तेज़ हवाओं की संभावना है।

**मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:**

ओलावृष्टि और तेज़ हवाओं के कारण फल और फलदार पेड़ों की शाखाएं टूट सकती हैं। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बागानों को ओला रोधी जाल (एंटी-हेल नेट) से ढकें। ओलावृष्टि से सब्जी फसलों के नर्सरी पौधों को नुकसान पहुँच सकता है; अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जाल को खेत की सतह से 1-2 फुट ऊँचाई पर लगाकर पौधों की सुरक्षा करें।

**सामान्य सलाहकार:**

गरज और बिजली गिरने से बचाव के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खुले खेतों में न जाएं। ऊँचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें। किसानों को सभी फसलों में सिंचाई और खाद के कार्य स्थगित करने की सलाह दी जाती है। ग्रीष्मकालीन सब्जियों का रोपण और सीधे बुआई मौसम साफ़ होने तक विलंबित करें। वर्षा जल संग्रहण और भंडारण की उचित व्यवस्था करें। खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी नाली बनाएं। गरज-चमक के दौरान पशुओं को बाहर बांधकर न रखें।

**लघु संदेश सलाहकार:**

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे ओलावृष्टि से पहले और बाद में फसल नुकसान को कम करने के लिए प्रभावी प्रबंधन रणनीतियाँ अपनाएं तथा मौसम संबंधी जानकारी के लिए मेघदूत ऐप का नियमित रूप से उपयोग करें।

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| खुबानी | 19 मई 2025 को ओलावृष्टि एवं तेज़ हवाओं की संभावना है। यदि फल पूर्ण पकावट के करीब हैं, तो किसानों को नुकसान कम करने के लिए फसल की कटाई समय से पहले करने की सलाह दी जाती है। |
| सेब | जिन किसानों ने अभी तक सेब के बगीचों में ओला रोधी जालियां नहीं लगाई हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे फसल को संभावित ओलावृष्टि से बचाने के लिए जल्द ही जालियां लगा लें। ओलावृष्टि के तुरंत बाद 200 लीटर पानी में 100 ग्राम कारबेंडाजिम या 600 ग्राम मैनकोज़ेब का छिड़काव करें। ओलावृष्टि के 3-4 दिनों के भीतर 200 लीटर पानी में 200 ग्राम बोरिक एसिड + 500 ग्राम ज़िंक सल्फेट + 250 ग्राम क्विक लाइम का छिड़काव करें। |
| सेम की फली | सब्जी की छोटें पौधों को ओलावृष्टि से बचाने के लिए खेतों में 1-2 फीट की ऊंचाई पर जाल लगाकर पौधों को ढकें । किसानों को खेत में उचित जल निकासी चैनल बनाने की सलाह दी जाती है। |
| टमाटर | किसानों को सलाह दी जाती है कि टमाटर के पौधों को प्रारंभिक वृद्धि अवस्था में ही उचित सहारा (जैसे कि स्टेकिंग) प्रदान करें ताकि पौधे गिरने से बचें, वायु संचरण बेहतर हो, और फल की उपज व गुणवत्ता में सुधार हो। पानी के ठहराव से पौधों को बचाने के लिए, किसानों को खेत में उचित जल |

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| | निकासी चैनल तैयार करने की सलाह दी जाती है। ओलावृष्टि से बचाने के लिए खेत को 1-2 फीट की ऊंचाई पर जाल से ढकें । 30–40 दिन की अवस्था पर खड़ी फसलों में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे भूमि स्तर से 10–15 सेंटीमीटर तक की निचली पत्तियों को हटा दें ताकि मिट्टी जनित रोगों के खतरे को कम किया जा सके। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | 40% अनाज, 30% तेल केक, 27% गेहूं चोकर, 2% खनिज मिश्रण और 1% नमक का उपयोग करके संतुलित सांद्रित राशन तैयार करें। आंधी और बिजली गिरने के दौरान जानवरों को बाहर न बांधें। |

**अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:**

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| पौध - संरक्षण | प्राकृतिक खेती करने वाले किसान कीटों के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए साफ मौसम में साप्ताहिक अंतराल पर अग्निास्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र और दशपर्णी अर्क का 3.0 प्रतिशत की दर से तथा जीवामृत का 10.0 प्रतिशत की दर से नियमित अंतराल पर छिड़काव करें। |

**मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):**

| |
|---|
| ओलावृष्टि और तेज़ हवाओं के कारण फल और फलदार पेड़ों की शाखाएं टूट सकती हैं। |

**प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):**

| |
|---|
| किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बागानों को ओला रोधी जाल (एंटी-हेल नेट) से ढकें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे ओलावृष्टि से पहले और बाद में फसल नुकसान को कम करने के लिए प्रभावी प्रबंधन रणनीतियाँ अपनाएं तथा मौसम संबंधी जानकारी के लिए मेघदूत ऐप का नियमित रूप से उपयोग करें। |

**Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**